東京外国語大学図書館
0000617149

# अमलावृत्तान्तमाला।

अथवा

## समरैदियानत।

जिस्में यह भली प्रकार दिखलाया गया है कि अदालत के अमले कैसी २ कार्रवाइयां करते हैं और जिस्से यह साबित किया गया है कि दियानत और नेकनीयती का नतीजा सदा अच्छा रहता है।

---

इस ग्रन्थ को काज़ी अज़ीज़ुद्दीन अहमद साहब डिप्टी कलेक्टर गढ़वाल (हाल जौनपुर) व मेम्बर ऐशियाटिक सुसाइटी की आज्ञा से उनके अंग्रेजी और उर्दू ग्रन्थ से अनुवाद करके भारतजीवन सम्पादक बाबू रामकृष्णवर्म्मा ने प्रकाश किया।

---

काशी।

भारतजीवन प्रेस में मुद्रित हुआ।

सम्वत् १९५१।

प्रथम बार १००० ] [ मूल्य ॥)